

अमृतपूज पागपान होगा तथा इन्हें सत्कार पर सजसज प्राणिकों को भोजन
इस मिशन की सफलता से ये काम संपन्न होंगे-

भागीरथी बाल शिक्षा सदन सैकेंडरी स्कूल

विषय - हिन्दी (सुबोध)

कक्षा - आठवी

पाठ-2

निम्न कार्य को कॉपी में करो,

भारत का मंगल ग्रह
पर प्रवेश

शब्द-ज्ञान

प्राचीन काल	- पुराना समय	स्वदेशी	- अपने देश की
खगोल शास्त्र	- आकाशीय पिंडों का अध्ययन	उपकरण	- यंत्र, पुर्जे
प्रक्षेपण	- ऊपर की ओर फेंकना	दक्षता	- कुशलता, निपुणता
आत्मविश्वास	- अपने ऊपर भरोसा	स्वायत्तता	- अपने ऊपर अधिकार प्राप्त
विविध	- तरह-तरह के	सक्षम	- समर्थ
क्रियान्वयन	- लागू करना	सक्रियता	- काम में लगे रहना
निष्ठा	- दृढ़ निश्चय, लगन		
गुरुत्वीय क्षेत्र	- पिंडों का एक-दूसरे को आकर्षित करने का क्षेत्र		

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए—

इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अपने अंतरिक्ष यान को लाल ग्रह की कक्षा में पहुँचाना था। इसके साथ-साथ वहाँ के वातावरण में खनिज लवणों, मीथेन गैस की उपस्थिति का पता लगाना था। इस काम के लिए पाँच वैज्ञानिक अथवा अंतरिक्ष उपकरण वहाँ भेजे गए। इनसे लाल ग्रह पर जीवन की संभावना तलाशी जाएगी।

- प्रश्न: 1. इस मिशन का मुख्य उद्देश्य क्या था?
2. लाल ग्रह पर किसकी उपस्थिति का पता लगाना था?
3. इस काम के लिए क्या किया गया?
4. इनसे वहाँ किसकी संभावना तलाशी जाएगी?

बहुविकल्पी प्रश्न

सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाइए—

- आकाशीय पिंडों के ज्ञान को क्या कहा जाता है?
(क) खगोल शास्त्र (ख) प्राणी विज्ञान
(ग) भौतिकी (घ) जीव विज्ञान
- मार्स आर्बिटर मिशन (मॉम) कितना वजनी था?
(क) 1200 किलो (ख) 1300 किलो
(ग) 1350 किलो (घ) 1380 किलो
- आर्यभट्ट का प्रक्षेपण कब हुआ?
(क) 1969 में (ख) 1975 में
(ग) 1980 में (घ) 1985 में
- पीएसएलवी 25 कहाँ से छोड़ा गया?
(क) श्रीहरिकोटा से (ख) श्रीनगर से
(ग) कोटा राजस्थान से (घ) कोटद्वार से

मूल्यपरक प्रश्न

- क्या आपको देश की इस उपलब्धि पर गर्व है?

आपकी सोच

- इस प्रकार के अंतरिक्ष अभियानों को आप कितना उपयोगी मानते हैं?

भाषा की बात

1. प्रत्यय

'यूरोपीय' शब्द 'यूरोप+ ईय' से मिलकर बना है। इसमें 'ईय' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है।
'ईय' प्रत्यय का प्रयोग करते हुए दो शब्द और बनाइए।

नीचे लिखे शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए—

गुरुत्वीय - _____

वैज्ञानिक - _____

स्वदेशी - _____

सफलता - _____

2. संज्ञा-भेद बताइए—

श्रीहरिकोटा - _____

आर्यभट्ट - _____

तारे - _____

ऊँचाई - _____

मंगल ग्रह - _____

वैज्ञानिक - _____

सफलता - _____

चीन - _____

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए—

उदाहरण—

यह देश की बहुत बड़ी सफलता है।

इसे देश की बहुत बड़ी सफलता कहा जाएगा।

(क) यह दिल्ली की बड़ी उपलब्धि है।

(ख) योग दिवस मनाने का निर्णय भारत की सफलता है।

4. वाक्य बनाइए-

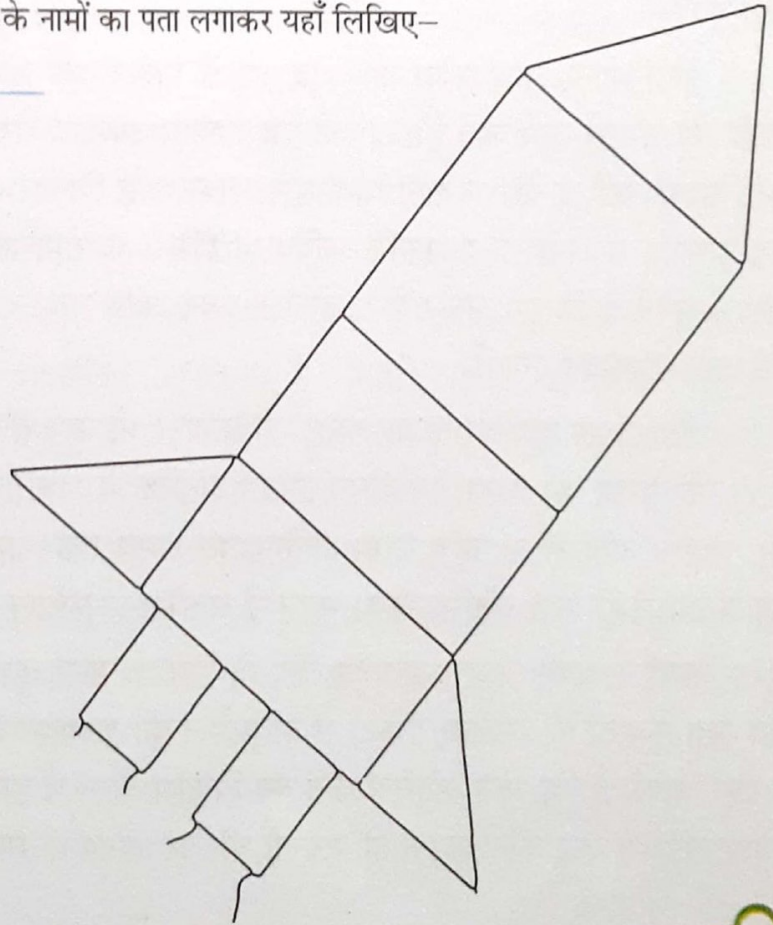
- संस्था - _____
- स्थापना - _____
- सक्रिय - _____
- सक्षम - _____
- संघटन - _____

5. वाक्य शुद्ध कीजिए-

- क. भारत का सफलता बहुत बड़ा है। _____
- ख. हम हमारा काम कर लेंगे। _____
- ग. हमारा वैज्ञानिक निष्ठा से काम कर रहे थे। _____
- घ. तुम तुम्हारे घर चले जाओ। _____

क्रियात्मक गतिविधियाँ

1. भारत द्वारा छोड़े गए अंतरिक्ष यानों के नामों का पता लगाकर यहाँ लिखिए-



भागीरथी बाल शिक्षा सदन सैकण्डरी स्कूल

कक्षा - आठवी

विषय - हिन्दी सुबोध

पाठ-2 भारत का मंगल ग्रह में प्रवेश

● प्रश्नोत्तर

1. मनुष्य की कल्पना के केंद्र में कौन रहे हैं?

उ० अंतरिक्ष में चमकते तारे, ग्रह एवं अन्य पिंड सदियों से मनुष्य की कल्पना के केंद्र रहे हैं।

2. भारत ने 2014 में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में क्या करिश्मा कर दिखाया?

उ० भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इतिहास रचते हुए पी.एस.एल.वी.सी-25 रॉकेट के माध्यम से मार्स ऑर्बिटर यान (मार्स) को मंगल की कक्षा में स्थापित किया। भारत ने स्वदेशी तकनीक के उपयोग से कम बजट में ये करिश्मा कर दिखाया।

3. मंगलयान कहाँ से कब छोड़ा गया?

उ० मंगलयान 5 नवंबर 2013 को श्रीहरिकोटा से 2.38 पर पीएसएलवी-25 छोड़ा गया।

Teacher's Signature : _____

4. 'इसरो' की स्थापना कब हुई? इसने 'आर्यभट्ट' कब छोड़ा?

30 'इसरो' की स्थापना 15 अगस्त 1969 में हुई थी। इसने आर्यभट्ट को 19 अप्रैल 1975 को छोड़ा,

5. मंगल मिशन की यात्रा का वर्णन संक्षेप में कीजिए?

30 भारत के 'मंगल मिशन' की शुरुआत 5 नवंबर, 2013 को हुई, 20-25 दिन तक यह पृथ्वी के चारों ओर घूमकर 11 दिसंबर, 2013 को पृथ्वी के गुरुत्वीय क्षेत्र से बाहर निकल गया, इस दौरान 11 दिसंबर 2013, 11 जून 2014 को फिर लांच वे ठीक किया गया, 22 सितंबर 2014 को उसने मंगल ग्रह के क्षेत्र में स्पेरी की ओर अतत: 24 सितंबर, 2014 को सुबह: 7:55 पर मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया, इस काम के निर्माण में स्वदेशी तकनीक का प्रयोग किया गया, यही कारण है कि इसे कम बजट में बना लिया गया, इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अपने अंतरिक्षयान को लाल ग्रह की कक्षा में पहुंचाना था, काम ने इतिहास रचने के दूसरे दिन ही मंगल ग्रह की पहली तस्वीर भेजी,

6. 'मांम' के निर्माण में कुल खर्च कितना हुआ? इतना कम खर्च कैसे संभव हो पाया?

30 'मांम' के निर्माण में सिर्फ 450 करोड़ रुपए खर्च हुए यानी 72 मिलियन डॉलर, 'मांम' के निर्माण में स्वदेशी तकनीक का प्रयोग किया गया, यही कारण है कि इसे कम बजट में बना लिया गया,

Teacher's Signature : _____

7) इस मिशन का मुख्य उद्देश्य क्या था?

उ० इस मिशन का मुख्य उद्देश्य अपने अंतरिक्षयान को लाल ग्रह की कक्षा में पहुंचाना था। इसके साथ-साथ वहाँ के वातावरण में खनिज लवणों, मीथेन गैस की उपस्थिति का पता लगाना था।

8) 'माॅम' की सफलता के क्या कारण थे?

उ० 'माॅम' की सफलता के तीन कारण थे; मंगल ग्रह की कक्षा के दिशा-ज्ञान का सही पता लगाने की दूसरों की क्षमता, गहन अंतरिक्ष संचार में 'दूसरों' की दक्षता एवं कक्षा की स्वायत्तता, जो मंगलयान को भू-सीमा से पहले सूर्य केंद्रित सीमा एवं बाद में मंगल-ग्रह की कक्षा में पहुंचाने में उचित भूमिका निभाई।

9) इस सफलता से क्या-कार्य संपन्न किए जा सकेंगे?

उ० इस सफलता से निम्न कार्य संपन्न किए जा सकेंगे।

1) इस मिशन का उद्देश्य मंगल ग्रह पर जीवन के सूत्र तलाशना संभव हो सकेगा।

2) इस अभियान से वहाँ मीथेन गैस के स्रोत का पता चलेगा।

3) यह वहाँ की खनिज संपदा का भी अध्ययन करेगा।

4) इस मिशन से भारत का राष्ट्रीय गौरव बढ़ा है।

5) इसरो 2020 में अंतरिक्ष में मानव भेज सकेगा।

Teacher's Signature : _____